

**न्यायालय :-श्रीमती वन्दना राज पाण्डेय, अतिरिक्त मुख्य न्यायिक
मजिस्ट्रेट, अंजड जिला -बड़वानी (म.प्र.)**

**आपराधिक प्रकरण क्रमांक 128/2014
संस्थित दिनांक-28.02.2014**

**म.प्र. राज्य द्वारा-
आरक्षी केन्द्र ठीकरी, जिला बड़वानी अभियोगी**

वि रु द्ध

**मोहम्मद अमजद पिता शरीफ खान, जाति मुसलमान
उम्र 34 वर्ष, निवासी छत्रीपाल, नई आबादी,
धार जिला धार म.प्र.**

.....अभियुक्त

राज्य द्वारा	—	श्री अकरम मंसूरी ए.डी.पी.पी.ओ. ।
अभियुक्त द्वारा	—	श्री आर.के. श्रीवास अधिवक्ता ।

**--:: निर्णय ::--
(आज दिनांक 28.11.2016 को घोषित)**

01. थाना ठीकरी के अपराध क्रमांक 23/14 के आधार पर आरोपी के विरुद्ध दिनांक 04.02.2014 को शाम लगभग 7:30 बजे ए.बी. रोड सावंगी फाटा में लोकमार्ग पर टवेरा क्रमांक एम.पी 11 बी.ई 0615 उतावलेपन या उपेक्षा पूर्ण तरिके से चलाकर उक्त वाहन की टक्कर कमल को मारकर उसकी मृत्यु ऐसी परिस्थितियों में कारित कर जो आपराधिक मानव वध की श्रेणी में नहीं आता है। भादस की धारा 304 ए का अभियोग।

02. प्रकरण में बचाव पक्ष द्वारा कमल की पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्रपी-9 तथा उक्त टवेरा वाहन की मेकेनिकल जांच रिपोर्ट प्रपी-8 सही होना स्वीकार की है। इस प्रकार कमल की मृत्यु होना स्वीकृत तथ्य है।

03. अभियोजन का मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 05.02.2014 को सुबह 4 बजे कमल वास्कले ने थाना ठीकरी यह सूचना दर्ज कराई की कल शाम लगभग 7:30 बजे सावंगी फाटा ए.बी. रोड पर अज्ञात वाहन का चालक अपने वाहन को तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक चलाकर लाया था। संधवा की ओर से उसकी मोटरसाईकल पर आ रहे उसके भतिजे कमल पिता विक्रमसिंह वास्कले के मोटरसाईकल क्रमांक एमपी 46 एम.एफ 9937 को पिछे से टक्कर मार दी, जिससे कमल के सिर में ओठ पर और दाहिने आँख पर चोट आई कमल के ईलाज के लिये उसे ठीकरी अस्पताल लाया वहां से उसे इंदौर अस्पताल भेजा गया जहां पर उसकी मृत्यु होने पर वापस ले आये। भैयालाल की रिपोर्ट के आधार पर थाना ठीकरी ने मार्ग क्रमांक 9/14 दर्ज किया तथा जांच की गई। जांच के उपरांत अज्ञात वाहन के चालक के विरुद्ध उक्त अपराध क्रमांक 23/14 दर्ज कर साक्षीगण के कथन लेखबद्ध किये गये। मृतक के शव का परीक्षण कराया गया। तथा साक्षीगण के कथन के आधार पर अभियुक्त को गिरफ्तार का उसे उक्त टवेरा वाहन उसके दस्तावेज सहित जप्त कर विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया।

04. उक्त अनुसार आरोपी पर भादस की धारा 304 ए का अभियोग लगाया गया। आरोपी ने अपराध के इंकार कर विचारण चाहा, उसका अभिवाक् लिखा गया। द.प्र.स. की धारा 313 के अंतर्गत किये गये परीक्षण में आरोपी का कथन है कि वह निर्दोष है, उसे झूठा फंसाया गया, किन्तु बचाव में किसी साक्षी को परीक्षण नहीं कराना प्रगट किया।

05. विचारणीय प्रश्न निम्न उत्पन्न होता है—

01. क्या आरोपी ने दिनांक 04.02.2014 को शाम लगभग 7:30 बजे ए. बी. रोड सांगवी फाटा लोकमार्ग पर टवेरा क्रमांक एमपी. 46 बी.ई 0615 का उतावलेपन या उपेक्षा पूर्ण चलाकर उसकी टक्कर से कमल की मोटरसाईकल को मारकर कमल की मृत्यु ऐसी परिस्थितियों में कारित की जो आपराधिक मानव वध की श्रेणी में नहीं आता ?

06. अपने मामले को प्रमाणित करने के लिये अभियोजन ने अपने समर्थन में भैयालाल (असा.1), ब्रदीलाल (असा.2), मुकेश (असा. 3), सुमनबाई उर्फ मंजुबाई (असा.4), सीताराम (असा.5), देवचंद (असा.6), आशीष पंडित (असा.7), तथा मेहताबसिंह (असा.8) का परीक्षण कराया है।

—:सकारण निष्कर्ष:—

07. उक्त विचारणीय प्रश्न के संबंध में भैयालाल (असा.1) का कथन है कि वह अभियुक्त को नहीं जानता। मृतक कमल उसका भतिजा था। लगभग 1 वर्ष पूर्व वह अपने घर पर था। उसे मोबाईल पर सूचना मिला थी कि कमल का सांगवी फाटे पर एक्सीडेंट हो गया है। कमल को ईलाज के लिये इंदौर ले जा रहे थे तभी कमल की मृत्यु हो गई। उसने घटना की रिपोर्ट थाने पर दर्ज कराई थी जो प्रपी-1 है जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। उसने पुलिस को घटना स्थल बताया था। इस साक्षी को पक्षद्रोही घोषित कर सूचक प्रश्न पूछने पर भी साक्षी ने इस सुझाव से स्पष्ट इंकार किया है कि वह घटना स्थल पर गया है, अथवा उसने प्रपी-1 की रिपोर्ट में उसने यह बताया है कि अज्ञात वाहन का चालक तेजी एवं लापरवाही से वाहन चलाकर लाया था, कमल की मोटरसाईकल को टक्कर मार दी। साक्षी ने पुलिस को प्रपी-3 के कथन में भी उक्त बातें बताने से इंकार किया है। बचाव पक्ष के ओर से किये गये प्रतिपरीक्षण साक्षी ने स्वीकार किया कि उसने घटना होते हुये नहीं देखी थी तथा पुलिस ने उससे कुछ कागजों पर हस्ताक्षर कराये थे, तो उसने बिना पढ़े हस्ताक्षर कर दिये। उसने पुलिस को प्रपी-1 की रिपोर्ट नहीं लिखाई थी, और प्रपी-3 का कथन भी नहीं दिया था।

08. मुकेश (असा.3) सुमनबाई उर्फ मंजुबाई (असा.4) देवचंद (असा.6) ने दुर्घटना में कमल की मृत्यु होने के संबंध में कथन किये हैं। उक्त साक्षीयों से अभियोजन द्वारा सूचक प्रश्न पूछने पर भी साक्षीयों ने इस सुझाव से स्पष्ट इंकार किया है कि उन्होंने दुर्घटना देखी थी।

09. ब्रदीलाल (असा.2) तथा मुकेश (असा.3) को चश्मदीद साक्षी होना बताया गया है किन्तु दोनों ही साक्षीयों ने दुर्घटना उनके सामने होने से स्पष्ट इंकार किया है। साक्षी ब्रदीलाल ने प्रपी- 4, 5 अपने हस्ताक्षर किये हैं। उक्त दोनों ही साक्षीयों को पक्षद्रोही घोषित कर सूचक प्रश्न पूछने पर दोनों साक्षीयों ने स्पष्ट इंकार किया है कि दिनांक 04.09.2016 को उनके सामने चौधरी ढाबे के पास सफेद रंग के टवेरा वाहन से

मोटरसाईकल के चालक को टक्कर मार दी साक्षियों ने इस सुझाव से भी इंकार किया की टक्कर मारने वाले वाहन क्रमांक एमपी. 46 बी.ई. 0615 देखा था। साक्षियों ने इस सुझाव से भी इंकार किया की उक्त नंबर लिखी पर्ची पुलिस को जप्त कराई थी। यहां तक की साक्षियों ने पुलिस को कथन देने से भी इंकार किया है। बचाव पक्ष की ओर से किये गये प्रतिपरीक्षण में बद्रीलाल (असा.2) ने स्वीकार किया कि वह पढ़ लिखा नहीं हैं केवल हस्ताक्षर करना जानता हैं। उसने पुलिस को किसी भी पर्ची पर वाहन का नंबर लिख कर नहीं दिया है। प्रपी-4 पर बी से बी की लिखावट भी उसकी नहीं है।

10. आशीष पंडित (असा.7) का कथन है कि दिनांक 05.02.2014 को थाना ठीकरी में फरियादी भैयालाल वास्कले ने अज्ञात वाहन के द्वारा तेज गति एवं लापरवाही से वाहन चलाकर कमल की मोटरसाईकल को टक्कर मारकर उसकी मृत्यु कारित करने के संबंध में प्रपी-1 की प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई थी जिसके बी से बी भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। उसने कमल की मृत्यु हो जाने पर थाना ठीकरी के मार्ग क्रमांक 09/14 जो प्रपी-8 है, जिसके ए से ए भाग पर उसके हस्ताक्षर हैं। बचाव पक्ष की ओर से किये गये प्रतिपरीक्षण में साक्षियों ने स्वीकार किया है की अज्ञात चालक की रिपोर्ट लिखाई थी।

11. मेहताबसिंह (असा.8) ने थाना ठीकरी के अपराध क्रमांक 23/14 की विवेचना की दौरान प्रपी-2 का नक्शामौका बनाया, प्रपी-9 का सफीना फॉर्म जारी करने, प्रपी-10 का नक्शा पंचनामा तैयार करने, साक्षी बद्रीलाल के पेश करने पर वाहन क्रमांक एमपी 11 बी.ई. 0615 लिखी हुई पर्ची प्रपी-4 जप्त करने, तथा आरोपी को गिरफ्तार करने के संबंध में, साक्षी का यह भी कथन है कि उसने आरोपी से टवेरा क्रमांक एमपी 11 बी.ई. 0615 जप्त किया था। फरियादी और साक्षीगण के कथन उनके बताये अनुसार लेखबद्ध किये थे। बचाव पक्ष की ओर से किये गये प्रतिपरीक्षण में साक्षी ने इस सुझाव से स्पष्ट इंकार किया है कि उसे फरियादी और साक्षियों ने कोई कथन नहीं दिये, अथवा उसे बद्रीलाल ने वाहन का नंबर लिखी पर्ची प्रपी-4 की जप्त नहीं कराई थी। साक्षी ने इस सुझाव से भी इंकार किया है कि उसने असत्य विवेचना की है या वह असत्य कथन कर रहा है।

12. ऐसी स्थिति में जब की प्रकरण की रिपोर्ट कर्ता ने तथा परीक्षित कराया है की किसी भी साक्षी ने आरोपी द्वारा घटना दिनांक, स्थान व समय उक्त टवेरा वाहन क्रमांक एमपी 11 बी.ई. 0615 को लोकमार्ग पर उतावलेपन या उपेक्षापूर्ण तरिके से चलाने और उसकी टक्कर कमल की मोटरसाईकल को मारकर उसकी मृत्यु कारित करने के संबंध में कोई थी कथन नहीं किये यहां तक की बद्रीलाल जिसके द्वारा टवेरा वाहन का नंबर पुलिस को प्रपी-4 की पर्ची पर लिख कर देना बताया है, ने भी घटना देखने अथवा उक्त पर्ची पुलिस को जप्त कराने से स्पष्ट इंकार किया तो यह प्रमाणित नहीं होता की अभियुक्त द्वारा घटना दिनांक, स्थान व समय उक्त वाहन को उतावलेपन या उपेक्षा पूर्वक चलाकर कमल की मृत्यु कारित की जो आपराधिक मानव वध की श्रेणी में नहीं आता है।

13. इस प्रकारण अभियोजन अपना मामला अभियुक्त के विरुद्ध संदेह से परे प्रमाणित करने में पूर्णतः असफल रहा है। अतः यह न्यायालय आरोपी मोहम्मद अमजद पिता शरीफ खान उम्र 36 वर्ष निवासी छत्रीपाल निवासी धार भा.द.सं. की धारा 304 (ए) के अपराध से संदेह का लाभ देकर दोषमुक्त घोषित करता है। आरोपी के जमानत व

मुचलके भारमुक्त किये जाते हैं।

14. जप्त टेवरा वाहन क्रमांक एमपी 11 बी.ई. 0615 उसके स्वामी की सुपुर्दगी में है। अपील अवधि पश्चात् सुपुर्दगीनामा भारमुक्त किया जाए। अपील होने पर माननीय अपील न्यायालय के आदेश का पालन हो।

15. आरोपी का द.प्र.सं. की धारा-428 के अंतर्गत निरोध की अवधि का प्रमाण-पत्र बनाया जाए।

16- प्रकरण में जप्तशुदा संपत्ति वाहन टेवरा वाहन क्रमांक एमपी 11 बी.ई. 0615 उसके स्वामी को पूर्व से सुपुर्दगी पर दिया गया है, अतः सुपुर्दगीनामा बाद अपील अवधि निरस्त समझा जाए, अपील होने की दशा में माननीय अपील न्यायालय के आदेश का पालन किया जाए।

निर्णय खुले न्यायालय में दिनांकित,
हस्ताक्षरित कर घोषित किया गया।

मेरे उद्बोधन पर टंकित किया।

(श्रीमती वंदना राज पाण्डेय)
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
अंजड़, जिला बड़वानी म.प्र.

(श्रीमती वंदना राज पाण्डेय)
अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट,
अंजड़, जिला बड़वानी म.प्र.